A Report on
Parthenium Awareness Programme at ICAR-CIFE, Mumbai

As part of **Parthenium Awareness Week (16–22 August 2026)**, a series of awareness and outreach activities were organized at **ICAR–Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai** to create awareness among students, scientists, staff and stakeholders regarding the harmful effects and management of Parthenium weed (Parthenium hysterophorus). Students, scientists, staff and stakeholders of the Institute were encouraged to participate in the **online training programme on "Integrated Parthenium Management"** organized by **ICAR–Directorate of Weed Research (ICAR-DWR), Jabalpur**. The online programme provided an opportunity for participants to learn about the identification, harmful effects and integrated management approaches for Parthenium weed. The online programme link was shared among the Institute community to facilitate maximum participation.

An awareness meeting was organized in the Conference Room of ICAR-CIFE, Mumbai, with the participation of students and staff. Various aspects of Parthenium weed, including its occurrence, harmful effects, challenges associated with its eradication and possible management approaches, were discussed. During the meeting, Dr. N. P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, emphasized the need for research to identify and characterize bioactive molecules present in Parthenium weed and explore their potential applications. He highlighted that complete eradication of the weed is difficult and suggested that identification of useful bioactive compounds could provide an alternative avenue for its utilization. Such an approach may also encourage industries to explore the extraction and commercial utilization of potentially valuable compounds from the weed. Dr. K. N. Mohanta, Joint Director, ICAR-CIFE, Mumbai, highlighted the large-scale menace posed by Parthenium weed at the village level. He emphasized that application of chemical or biological control measures on a large scale remains a major challenge and that sustainable and practical management strategies are required to address the problem effectively.

The awareness meeting was followed by a **campus visit programme** to observe the status of Parthenium infestation and management practices within the Institute campus. **ICAR-CIFE, Mumbai has maintained a Parthenium-free campus since 2019.** The Plant Nursery Section has played an important role in maintaining the campus free from Parthenium through regular monitoring, removal and continuous management efforts. The Section In-charge emphasized that maintaining a Parthenium-free campus requires **continuous surveillance and regular removal of newly emerging plants** to prevent their establishment and seed production. The campus visit provided an opportunity for participants to understand the importance of sustained weed-management efforts and the role of collective participation in maintaining a Parthenium-free institutional environment. Total 67 participants attended the programme.

The programme was coordinated by **Dr. Vidya Shree Bharti, Senior Scientist**, and **Mr. Pranaya Kumar Biswal, Technical Assistant**, ICAR-CIFE, Mumbai.

आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई में पार्थेनियम जागरूकता कार्यक्रम

पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह (16-22 अगस्त, 2026) के अंतर्गत आईसीएआर-केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान (ICAR-CIFE), मुंबई में विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं हितधारकों में पार्थेनियम खरपतवार (Parthenium hysterophorus) के दुष्प्रभावों एवं इसके प्रबंधन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता एवं प्रसार गतिविधियों का आयोजन किया गया। संस्थान के विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं हितधारकों को आईसीएआर-निदेशालय खरपतवार अनुसंधान (ICAR-DWR), जबलपुर द्वारा आयोजित "Integrated Parthenium Management" (समेकित पार्थेनियम प्रबंधन) विषयक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अधिक से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का लिंक संस्थान के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के साथ साझा किया गया।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को पार्थेनियम की पहचान, इसके हानिकारक प्रभावों तथा इसके नियंत्रण एवं प्रबंधन के लिए अपनाई जाने वाली विभिन्न समेकित खरपतवार प्रबंधन तकनीकों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। पार्थेनियम जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई के सम्मेलन कक्ष में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की सहभागिता के साथ एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्थेनियम खरपतवार के प्रसार, इसके हानिकारक प्रभावों, उन्मूलन में आने वाली कठिनाइयों तथा इसके प्रभावी एवं टिकाऊ प्रबंधन के संभावित उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान डॉ. एन. पी. साहू, निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफई, ने पार्थेनियम खरपतवार में उपस्थित जैव सक्रिय अणुओं (Bioactive Molecules) की पहचान एवं उनका वैज्ञानिक रूप से चरित्र-निर्धारण करने तथा उनके संभावित उपयोगों पर अनुसंधान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पार्थेनियम का पूर्ण उन्मूलन एक कठिन कार्य है। अतः इस खरपतवार में उपस्थित उपयोगी जैव सक्रिय यौगिकों की पहचान एवं उनका उपयोग एक वैकल्पिक एवं नवोन्मेषी दृष्टिकोण हो सकता है। ऐसे उपयोगी यौगिकों की पहचान से उद्योगों को इनके निष्कर्षण एवं व्यावसायिक उपयोग के लिए भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

डॉ. के. एन. मोहंता, संयुक्त निदेशक, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई, ने ग्राम स्तर पर पार्थेनियम खरपतवार से उत्पन्न होने वाली व्यापक समस्या पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बड़े स्तर पर रासायनिक अथवा जैविक नियंत्रण उपायों को लागू करना एक बड़ी चुनौती है। अतः पार्थेनियम के प्रभावी नियंत्रण के लिए व्यावहारिक, टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन रणनीतियों को विकसित करने की आवश्यकता है। जागरूकता बैठक के पश्चात संस्थान परिसर में परिसर भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पार्थेनियम की स्थिति तथा इसके प्रबंधन के लिए अपनाए जा रहे उपायों का अवलोकन किया गया। आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई वर्ष 2019 से पार्थेनियम मुक्त परिसर बनाए रखने में सफल रहा है। संस्थान के पौधशाला अनुभाग (Plant Nursery Section) द्वारा नियमित निगरानी, समय पर खरपतवार निष्कासन तथा निरंतर प्रबंधन प्रयासों के माध्यम से परिसर को पार्थेनियम मुक्त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जा रही है। पौधशाला अनुभाग के प्रभारी ने बताया कि परिसर को पार्थेनियम मुक्त बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी, समय-समय पर निरीक्षण तथा नए उगने वाले पौधों को बीज बनने से पहले हटाना अत्यंत आवश्यक है। परिसर भ्रमण के दौरान

प्रतिभागियों को पार्थेनियम के सतत प्रबंधन तथा संस्थान के पार्थेनियम मुक्त परिसर को बनाए रखने में सामूहिक सहभागिता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कुल 67 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विद्या श्री भारती, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एवं श्री प्रणय कुमार बिस्वाल, तकनीकी सहायक, आईसीएआर-सीआईएफई, मुंबई द्वारा किया गया।

Parthenium Awareness Week
16-22 August, 2026

ICAR-CIFE
Parthenium Awareness Week
16-22 August, 2026